बैगा बैगा आओ गजानंद,
ओ थारी खूब करा रे मनुहार,
पधारों म्हारा गजानंद।।

पार्वती के पुत्र गजानंद,
थे तो शिव के राज दुलार,
पधारों म्हारा गजानंद।।

घी सिंदूर रो चोलो चढ़ावा,
ओ थारे चांदी रो करा श्रृंगार,
पधारों म्हारा गजानंद।।

लड्डुवन को थारे भोग लगावा,
ओ थाके फूला रो पहनावा हार,
पधारों म्हारा गजानंद।।

रणतभवर का प्यारा गजानंद,
ओ थाकु पूजे जग संसार,
पधारों म्हारा गजानंद।।

रिद्धि सिद्धि संग में लावो,
शिव पार्वती संग आओ,

पधारों म्हारा गजानंद।।

अ क जांगिड़ दास पुराणों,
थे तो भक्ता की करो पूरी आश,
पधारों म्हारा गजानंद।।

बैगा बैगा आओ गजानंद,
ओ थारी खूब करा रे मनुहार,
पधारों म्हारा गजानंद।।

गायक / लेखक / प्रेषक
अशोक कुमार जांगिड़।
9828123517
सवाई माधोपुर राजस्थान।

Source: https://www.bharattemples.com/bega-bega-aao-gajanand/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples

Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw